हिंदी विभाग
कुमाऊँ विश्वविद्यालय, नैनीताल
एम0ए0 पूर्वार्द्ध एवं उत्तरार्द्ध का हिंदी पाठ्यक्रम
(2014–2015 से प्रभावी)
एम0ए0 पूर्वार्द्ध : हिंदी

एम0ए0 हिंदी का पाठ्यक्रम द्विवर्षीय है, जिसमें **चार सेमेस्टर** हैं। प्रत्येक सेमेस्टर में चार–चार प्रश्नपत्र हैं। प्रत्येक प्रश्नपत्र 100 अंकों का है। लिखित परीक्षा के लिए **75 अंक** और आंतरिक मूल्यांकन (एसाइन्मेंट्स आदि) के लिए **25 अंक** निर्धारित किए गए हैं।

प्रथम सत्रार्ध (First Semester)

प्रथम प्रश्न–पत्र

आदिकालीन एवं निर्गुण काव्य **पूर्णांक : 100**

(75+25)

निर्धारित पाठ्य पुस्तकें :

1. अब्दुल रहमान : **संदेश रासक**, संपा0 डॉ0 विश्वनाथ त्रिपाठी (व्याख्या हेतु, प्रथम प्रकम)
2. चंदवरदाई : **कयमास–वध**, संपा0 राजेश्वर चतुर्वेदी, प्रकाशन केन्द्र, सीतापुर रोड, लखनऊ।
3. **विद्यापति** : संपा0 शिवप्रसाद सिंह (व्याख्या हेतु केवल प्रार्थना एवं रूप वर्णन), लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
4. कबीरदास : **कबीर वाणी पीयूष,** संपा0 जयदेव सिंह/वासुदेव सिंह (व्याख्या हेतु प्रारंभ की 50 साखियाँ एवं प्रारम्भ के 10 पद केवल साखी भाग), विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
5. मलिक मुहम्मद जायसी : **जायसी ग्रंथावली,** संपा0 रामचंद्र शुक्ल; (व्याख्या हेतु केवल 'नागमती वियोग' वर्णन खंड)।

अंक विभाजन :

(1) उक्त सभी पाठ्य पुस्तकों से तीन व्याख्याएँ पूछी जाएँगी :	3 X 10 = 30 अंक
(2) दो आलोचनात्मक प्रश्न :	2 X 10 = 20 अंक
(3) पाँच लघूत्तरीय प्रश्न :	5 X 3 = 15 अंक
(4) दस वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्न :	10 X 1 = 10 अंक
(5) आंतरिक मूल्यांकन (एसाइन्मेंट्स आदि) :	25 अंक

सहायक ग्रंथ :

1. पृथ्वीराज रासो : भाषा और साहित्य– डॉ0 नामवर सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. विद्यापति– डॉ0 शिवप्रसाद सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
3. युगद्रष्टा कबीर– डॉ0 शेरसिंह बिष्ट, अंकित प्रकाशन हल्द्वानी (नैनीताल)।
4. कबीर चिंतन– ब्रजभूषण शर्मा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. कबीर मीमांसा– डॉ0 रामचंद्र तिवारी, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

6. कबीर : एक नई दृष्टि– डॉ0 रघुवंश, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
7. जायसी : एक नई दृष्टि– डॉ0 रघुवंश, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
8. पद्मावत् का अनुशीलन– इन्द्रचंद्र नारंग, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
9. सूफीमत और हिंदी सूफी काव्य– डॉ0 नरेश, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।

द्वितीय प्रश्न–पत्र

सगुण काव्य एवं रीतिकालीन काव्य : **पूर्णांक : 100**

(75+25)

निर्धारित पाठ्य पुस्तकें :

1. सूरदास : **भ्रमरगीत सार :** संपा0 आचार्य रामचंद्र शुक्ल (व्याख्या के लिए पद संख्या 50 से 100 तक), नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी।
2. तुलसीदास : **विनयपत्रिका** : तुलसीदास (व्याख्या के लिए पद संख्या 51 से 100 तक), गीताप्रेस गोरखपुर।
3. केशवदास : **संक्षिप्त रामचन्द्रिका** : संपा0 डॉ0 रामचंद्र तिवारी। (व्याख्या हेतु प्रारंभिक पाँच प्रकाश– 1. मंगलाचरण, 2. अयोध्यापुरी वर्णन, 3. सीता स्वयंवर, 4. परशुराम संवाद, 5. वन मार्ग में राम), रंजन प्रकाशन, सिटी स्टेशन मार्ग आगरा।
4. बिहारी : **बिहारी नवनीत** : संपा0 रवीन्द्र कुमार जैन (व्याख्या हेतु प्रारंभिक 50 दोहे), नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
5. घनानंद : **घनानंद कवित्त** : संपा0 आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र (व्याख्या हेतु आरंभ के 20 छंद)

अंक विभाजन :

(1) उक्त सभी पाठ्य पुस्तकों से तीन व्याख्याएँ पूछी जाएँगी :	3 X 10 = 30 अंक
(2) दो आलोचनात्मक प्रश्न :	2 X 10 = 20 अंक
(3) पाँच लघूत्तरी प्रश्न :	5 X 3 = 15 अंक
(4) दस वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्न :	10 X 1 = 10 अंक
(5) आंतरिक मूल्यांकन (एसाइन्मेंट्स आदि) :	25 अंक

सहायक ग्रंथ :

1. सूरदास– आचार्य रामचंद्र शुक्ल, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. सूरदास– डॉ0 हरवंशलाल शर्मा, राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली।
3. सूर की काव्यकला– मनमोहन गौतम।
4. सूर सूर, तुलसी ससी– डॉ0 राकेशगुप्त, ग्रंथायन, अलीगढ़।
5. वैष्णव धर्म सम्प्रदायों के दार्शनिक सिद्धांत एवं कृष्ण भक्ति काव्य– डॉ0 शेरसिंह बिष्ट, ईस्टर्न बुक लिंकर्स, दिल्ली।
6. कृष्णकथाः एक ऐतिहासिक अध्ययन– डॉ0 उमा भट्ट।
7. तुलसी की साहित्य साधना– डॉ0 लल्लन राय, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।

8. तुलसीदास– डॉ0 रामचंद्र तिवारी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
9. तुलसी काव्य–मीमांसा– डॉ0 उदयभानु सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
10. लोक कवि तुलसी– सरला शुक्ल, भारतीय ग्रंथ निकेतन, नई दिल्ली।
11. केशव और उनका साहित्य– डॉ0 विजयपाल सिंह, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
12. केशवदास– डॉ0 विजयपालसिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
13. बिहारी का नया मूल्यांकन– डॉ0 बच्चन सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
14. मुक्तक काव्य परम्परा और बिहारी– रामसागर त्रिपाठी।
15. बिहारी की वाग्विभूति– विश्वनाथ प्रसाद मिश्र।
16. बिहारी का नया मूल्यांकन– डॉ0 बच्चनसिंह।

तृतीय प्रश्नपत्र

भारतीय काव्यशास्त्र : **पूर्णांक : 100 (75 +25)**

निर्धारित पाठ्यक्रम :

1. काव्यशास्त्र : परिभाषा, काव्य लक्षण, काव्य हेतु, काव्य प्रयोजन एवं काव्य भेद।

2. काव्य संप्रदाय : रस संप्रदाय : रस का स्वरूप, रस निष्पत्ति, साधारणीकरण, अलंकार संप्रदाय, रीति संप्रदाय, ध्वनि संप्रदाय, वक्रोक्ति संप्रदाय एवं औचित्य संप्रदाय।

3. हिंदी आलोचना : विकास, प्रमुख हिंदी आलोचक और उनके आलोचना सिद्धांत (आचार्य रामचंद्र शुक्ल, आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, डॉ0 नगेन्द्र, डॉ0 रामविलास शर्मा, डॉ0 नामवर सिंह)।

अंक विभाजन :

(1) उक्त सभी इकाइयों से तीन आलोचनात्मक प्रश्न :	3 X 15 = 45 अंक
(2) पाँच लघूत्तरी प्रश्न :	5 X 4 = 20 अंक
(3) दस वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्न :	10 X 1 = 10 अंक
(4) आंतरिक मूल्यांकन (एसाइन्मेंट्स आदि) :	25 अंक

सहायक ग्रंथ

1. भारतीय काव्यशास्त्र– डॉ0 विश्वम्भरनाथ उपाध्याय, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. ध्वनि–सिद्धांत– डॉ0 शेरसिंह बिष्ट, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
3. साहित्य और समालोचना– डॉ0 शेरसिंह बिष्ट, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
4. रीतिकालीन काव्यशास्त्रीय शब्दकोश– डॉ0 मानवेन्द्र पाठक, अभिनव प्रकाशन, आगरा।
5. रीतिकालीन साहित्यशास्त्र कोश– डॉ0 मानवेन्द्र पाठक, ईस्टर्न बुक लिंकर्स, दिल्ली।
6. रीतिशास्त्र के प्रतिनिधि आचार्य– डॉ0 मानवेन्द्र पाठक, ईस्टर्न बुक लिंकर्स, दिल्ली।

7. हिंदी समीक्षा में रससिद्धांत– डॉ0 नीरजा टण्डन, ग्रंथायन, सासनी गेट, अलीगढ़।
8. राकेश गुप्त का रस–विवेचन– डॉ0 नीरजा टण्डन, ग्रंथायन, सासनी गेट, अलीगढ़।
9. शैलीज्ञिान– डॉ0 नीरजा टण्डन, ईस्टर्न बुक लिंकर्स, दिल्ली।
10. काव्य शास्त्र के सिद्धांत– डॉ0 जगतसिंह बिष्ट, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली।
11. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र की पहचान– डॉ0 हरिमोहन, वाणी प्रकाशन नई दिल्ली।
12. कविता के नए प्रतिमान– डॉ0 नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
13. साहित्य एवं संस्कृति : चिंतन के नये आयाम– डॉ0 शेरसिंह बिष्ट, अल्मोड़ा बुक डिपो, अल्मोड़ा,
14. भारतीय काव्यशास्त्र– तारकनाथ बाली, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
15. महाकाव्य विमर्श– विष्णु खरे (सं0), वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
16. काव्यशास्त्र के मानदण्ड– रामनिवास गुप्त, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
17. आधुनिक हिंदी आलोचना के बीज शब्द – डॉ0 बच्चन सिंह, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
18. आलोचना और आलोचना– देवीशंकर अवस्थी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
19. हिंदी आलोचना : इतिहास और सिद्धांत– योगेन्द्रप्रताप सिंह, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
20. हिंदी आलोचना का सैद्धांतिक आधार– डॉ0 कृष्णदत्त पालीवाल, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
21. हिंदी आलोचना के नये वैचारिक सरोकार– डॉ0 कृष्णदत्त पालीवाल वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
22. हिंदी साहित्य शास्त्र– नंदकिशोर नवल (सं0) वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
23. मार्क्सवादी साहित्य चिंतन– शिकुमार मिश्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
24. नामवर सिंह : आलोचना की दूसरी परम्परा– कमला प्रसाद (सं0) वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
25. साहित्य समीक्षा और मार्क्सवाद – डॉ0 कुँवरपाल सिंह, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
26. सौंदर्य शास्त्रीय समीक्षा– एस0टी0 नरसिम्हाचारी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
27. भारतीय काव्यशास्त्र की परम्परा– डॉ0 नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
28. रस–सिद्धांत– डॉ0 नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
29. नई समीक्षा– डॉ0 नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
30. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धांत– डॉ0 गणपति चंद्र गुप्त।
31. शैलीविज्ञान– डॉ0 भोलानाथ तिवारी, शब्दकार, दिल्ली।
32. बीसवीं शताब्दी की हिंदी आलोचना– डॉ0 निर्मला जैन।
33. रस सिद्धांत– डॉ0 ऋषिकुमार चतुर्वेदी, ग्रंथायन, अलीगढ़।
34. काव्य निर्णय– भिखारीदास।
35. साहित्यानुशीलन– डॉ0 राकेश गुप्त, सरस्वती प्रेस, इलाहाबाद।
36. शुक्लोत्तर समीक्षा के नए प्रतिमान– डॉ0 विश्वम्भरनाथ उपाध्याय।

चतुर्थ प्रश्न–पत्र

पूर्णांकः 100 (75+25)

हिंदी साहित्य का इतिहास : आदिकाल से रीतिकाल तक :

निर्धारित पाठ्यक्रम :

1. हिंदी साहित्य के इतिहास लेखन की परंपरा, काल विभाजन और नामकरण, हिंदी साहित्य का आदिकाल : नामकरण और प्रमुख प्रवृत्तियाँ, नाथ–सिद्ध साहित्य परंपरा, रासो काव्य परंपरा, आदिकाल के प्रतिनिधि कवि और उनकी रचनाएँ।
2. मध्यकाल : भक्तिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि और प्रमुख प्रवृत्तियाँ, निर्गुण संत काव्य और उसकी प्रमुख प्रवृत्तियाँ, सूफी काव्य परंपरा।
3. भक्तिकाल की सगुण काव्यधारा : रामभक्ति परंपरा, कृष्णभक्ति परंपरा, भक्तिकाल के प्रमुख कवि और उनकी रचनाएँ।
4. रीतिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि और प्रमुख प्रवृत्तियाँ, लक्षण ग्रंथ–परंपरा, रीतिकाल की काव्यधाराएँ : रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध और रीतिमुक्त काव्य, प्रमुख कवि और उनकी रचनाएँ।

अंक विभाजन

(1) उक्त सभी इकाइयों से तीन आलोचनात्मक प्रश्न :	3 X 15 = 45 अंक
(2) पाँच लघूत्तरी प्रश्न :	5 X 4 = 20 अंक
(3) दस वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्न :	10 X 1 = 10 अंक
(4) आंतरिक मूल्यांकन (एसाइन्मेंट्स आदि) :	25 अंक

सहायक ग्रंथ

1. हिंदी साहित्य का इतिहास– आचार्य रामचंद्र शुक्ल, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. हिंदी साहित्य का आदिकाल– हजारीप्रसाद द्विवेदी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. हिंदी साहित्य का इतिहास : नए विचार, नई दृष्टि– सुरेश कुमार जैन (सं0) वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. हिंदी साहित्य का अतीत (भाग 1–2) आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. साहित्य की इतिहास दृष्टि– प्रभाकर श्रोत्रिय, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
6. हिंदी साहित्य का परिचयात्मक इतिहास– डॉ0 भगीरथ मिश्र, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
7. हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास (भागः 1–2)– डॉ0 गणपतिचंद्र गुप्त, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
8. हिंदी साहित्य की भूमिका– हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
9. हिंदी साहित्य : उद्‌भव और विकास– हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
10. रीतिशास्त्र के प्रतिनिधि आचार्य– डॉ0 मानवेन्द्र पाठक, ईस्टर्न बुक लिंकर्स, दिल्ली–7।

10. हिंदी साहित्य का इतिहास– डॉ0 नगेन्द्र।

11. उर्दू साहित्य का इतिहास– दुर्गाशंकर मिश्र।